an>

Title: Regarding establishment of Airport in Jamshedpur, Jharkhand.

**श्री विद्युत वरण महतो (जमशेदपुर):** माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे शून्यकाल के अन्तर्गत एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ज्वलंत मुद्दे पर बोलने का मौका दिया।

महोदया, मेरा संसदीय क्षेत्र जमशेदपुर एक औद्योगिक क्षेत्र है। यहां सैंकड़ों वर्ष पुरानी टाटा जैसे प्रतिष्ठित उद्योग स्थापित हैं। इसके अलावा हजारों बड़े एवं मध्यम आकार के उद्योग स्थापित हैं। वहां विभिन्न प्रदेशों के लोग आकर रोजगार प्राप्त करते हैं। यहां उद्योगों की स्थापना हेतु असीम संभवानाएं हैं। कोल्हान प्रमण्डल के अंतर्गत आयरन ओर, काईनाईट, यूरेनियम, कॉपर, सोना एवं उच्च गुणवत्ता युक्त मैंग्नीज, पन्ना और नीलम जैसे कीमती धातु की माईन्स पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उपरोक्त संसाधन एवं अनुकूल वातावरण को देखकर देश-विदेश के निवेशक यहां निवेश हेतु इच्छुक हैं। इसके साथ यहां बसे उद्यमियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय तथा अंतर्राज्यीय स्तर पर निर्यात होता है, जिससे व्यापरियों को दूसरे प्रदेशों में अपने व्यवसाय कार्य हेतु आना-जाना लगातार होता रहता है। एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र आदित्यपुर जो जमशेदपुर से सटा हुआ है। जमशेदपुर में उद्यमियों तथा नागरिकों द्वारा एक लम्बे समय से एक हवाईअड्डा बनाने की मांग की जाती रही है, फिर भी अब तक इस बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह क्षेत्र वायु मार्ग से कटे होने से, खास कर उद्यमियों तथा निवेशकों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। जमशेदपुर को निकटतम एयरपोर्ट रांची से जोड़ने वाले सड़क मार्ग की भी स्थिति काफी बदतर है, जिसके कारण एयरपोर्ट पहुंचने में काफी समय लगता है।

महोदया, जमशेदपुर को एक आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने हेतु सभी अनुकूल वातवरण होते हुए भी एकमात्र एयरपोर्ट के अभाव में निवेशक विनिवेश करने हेतु उत्साह नहीं दिखाते हैं। इस संदर्भ में केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है और केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार और टाटा के आपसी सहयोग के माध्यम से जमीन उपलब्ध कराने की बात कही है।

महोदया, इसके अलावा मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत चाकुलिया और धालभूम गढ़ में सैंकड़ों वर्ष पुराना हवाई अड्डा उपलब्ध है, जो ब्रिटिश सरकार ने द्वितीय विश्वयुद्ध में विश्व की दूसरी बड़ी डिफेंस हवाईअड्डा के रूप में बनाया गया था। यह 13 कि.मी. क्षेत्र में फैला हुआ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह झारखण्ड, बंगाल और ओडिशा के सिमांचल एरिया में स्थित है। यहां हवाईअड्डा बनने से तीनों राज्य को लाभ मिलेगा।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से इस क्षेत्र के विकास की असीम संभवानाओं को देखते हुए यहां एक आधुनिक अंतर्राज्यीय हवाईअड्डा स्थापित करने की मांग करता हूं।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री विद्युत वरण महतो द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।